

Total Pages : 8

1542

I Year Arts Examination, 2017

PRAKRIT

Paper-II

(प्राकृत कथा एवं चरित)

Time : Three Hours

Maximum Marks : 100

PART - A (खण्ड-अ) [Marks : 20]

Answer all questions (50 words each).

All questions carry equal marks.

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर पचास शब्दों से अधिक न हो।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART - B (खण्ड-ब) [Marks : 50]

Answer *five* questions (250 words each).

Selecting *one* from each unit. All questions carry equal marks.

प्रत्येक इकाई से एक-एक प्रश्न चुनते हुए, कुल पाँच प्रश्न कीजिए।

प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों से अधिक न हो।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART - C (खण्ड-स) [Marks : 30]

Answer any *two* questions (300 words each).

All questions carry equal marks.

कोई दो प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 300 शब्दों से अधिक न हो।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

खण्ड-अ

1. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं :

इकाई-I

- (i) आरामसोहा के माता-पिता एवं गाँव का नाम लिखिए।
- (ii) आरामसोहा के पूर्वजन्म का नाम एवं काम लिखिए।

इकाई-II

- (iii) मुणिचंदकहाण्यं किस ग्रंथ में से लिया गया है? कर्ता का नाम लिखिए।
- (iv) कनकवती रोज रात किस के पास जाती थी? क्यूँ?

इकाई-III

- (v) कुम्मापुत का मूलनाम एवं उनके माता-पिता का नाम लिखिए।
- (vi) कुम्मापुत किस कारण से वामन बना?

इकाई-IV

- (vii) प्राकृतकथा साहित्य के किसी चार चरितग्रन्थों के नाम लिखिए।

(viii) अगड़दत्त को किस कारण से वैराग्य हुआ?

इकाई-V

(ix) आरामसोहा को किसने वरदान दीया? क्युं?

(x) कुम्मापुत्तचरियं की अवांतर कथा संक्षेप में लिखिए।

खण्ड-ब

इकाई-I

2. अधोलिखित गद्यांश का हिन्दी में अनुवाद कीजिए।

इहेव जम्बूरुकखालांकियदीवमज्ञटिठए, अक्रुंडछकखंडमर्डिए ब्रह्मिहसुह-
निवहनिवासे भारहे वासे असेसलच्छसंनिवेसो अत्थि कुसट्टदेसो । तत्थ
पमुइयपककीलीय लोयणमणोहरो उगग-विगगहु व्व गोरिसुंदरो
सयलधनजाईअभिरामो अत्थि बलासओ नाम गामो । जतथ य चाउद्दिसि-
जोयण-पमाणे भूमिभागे न कयावि रुक्खाड़ उगगइ । इओ य तत्थ चउब्बेयपारगो
छकम्साहगो अग्गिसम्मो नाम माहणो परिवसइ । तस्स सीलाइगुणपत्तरेहा
अग्गिसिहानाम भारिया । ताणं च परमसुहेण भोगे भुंजांताणं कमेण जाया एगा
दारिया । तीसे विज्ञुप्पह ति नाम कयं अम्मापियरेहिं ।

3. अधोलिखित गद्यांश का हिन्दी में अनुवाद कीजिए।

तओ तम्मि चेव समए करठवियओसहिवलया तप्पिटूठओ चेव तुरियतुरियं
समागया गारुडिया, तेहिं पि सा माहणतण्या पुट्ठा, बाले! एयम्मि पहे
कोवि गच्छंतो दिट्ठो गरिट्ठो नागो? तओ सा वि पडिभणइ भो नरिंदा! किं
मं पुच्छेह? जं अहमित्थ वत्थछाइयगत्ता सुत्ता अहेसि। तओ तीए भणिओ
सप्पो निहरसु इत्ताहे गया ते तुम्ह वेरिया। सो वि तीए उच्छंगाओ नीहरिऊण
नागरूवमुज्जिञ्जउण चलंतकुंडलाहरण सुररूवं पयडिय पभणेइ वच्छे! वरेसु
वरं जं एहं तुहोवयारेण साहसेण य संतुट्ठम्हि। सावि तं तहारूवं भासुरसरीरं
सुरं पिच्छिऊण हरिसभर-निभर-निभरंगी विन्नवेइ।

इकाई-II

4. अधोलिखित गद्यांश का हिन्दी में अनुवाद कीजिए।

तओ अइवकंतेसु दिवसेसु समागया जामिणी सुउद्दसीए। अत्थंगयम्मि भुवणेकक-
लोयणेदिणयरे उत्थरिए तिमिरप्पसरे मया विसज्जियासेससेवयेणं सिरो मह
दुक्खवइ त्ति पेसिया वयंसया। तओ एगागी पविट्ठो सोवणयं। परिहिओ पट्टजुगस्स

पट्टो। गहियं मंडलगां णिगाओ णवराओ परियण वंचिऊण एगागी। दिट्ठो

य मए भइरवायरिओ मसाणभूमिए अहं पि तेहिं। भणिओ य अहं जडहारिणा-

महाभाग एत्थ भविस्सन्ति बिभीयियाओ, ता तए इमे तिण्ण वि रक्खइयव्वा

अहं च, तुज्ज पुण जम्मण्णभिइं अविण्णायभयसरूवस्स किमुच्छ।

5. अधोलिखित गद्यांश का हिन्दी में अनुवाद कीजिए।

तओ मए तं दट्टूण भणियं-रे रे पुरिसाहम किमेवं पलवसि? जइ अत्थ ते

पोरिसं ता किमेवं पलविएण? अहिमुहो समागच्छ जेण दंसेमि ते गज्जियस्स

फलं ति, पुरिस्सस हि भुएसु वीरियं, ण सद्दद्वरे त्ति। तओ एसो अमरिसिओ

चलिओ मज्जा सम्मुहं। अणाउहं च दट्टूण मए समुज्जियं मंडसगां। संजमीकयं

परिहणयं सह केसपासेण। पयद्टं दोणह वि बाहुजुद्धं। लगा जुज्जिउं

विविहकरणेहिं कत्तरिपहारेहिं। एवं च जुज्जंताणं मए पाडिओ सो दुट्ठवाणमंतरो।

सत्तपहाणत्तणेण वसीकओ।

इकाई-III

6. अथोलिखित गाथा का सप्रसंग हिन्दी में अनुवाद कीजिए।

रयणमयखंभपतीकंतीभरभरिअबेभिंतरपएसं ।

मणिमयतोरणधोरणितरुणपहाकिरण कब्जुरिअं ॥

मणिमयखंभअहिद्विरुपुत्तलिआकेलिखोभिअजणोहं ।

बहुभत्तिचित्तवित्त्वागवकवसंदोहकयसोहं ॥

7. अथोलिखित गाथा का सप्रसंग हिन्दी में अनुवाद कीजिए।

रायगिहं वरनयरं वरनयरंगंतमंदिरं अस्थि ।

धणधन्नाइसमिद्धं सुपसिद्धं सयललोगम्मि ॥

तत्थ य महिंदसिंहो राया सिंहु व्व अरिकरिविणासे ।

नामेण जस्स समरंगणम्मि भज्जइ सुहडकोडी ॥

इकाई-IV

8. प्राकृत साहित्य में उपलब्ध मुख्य कथाग्रंथों का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

9. निम्नलिखित गाथा का सप्रसंग हिन्दी अनुवाद कीजिए।

मिणठेण वि परिचत्तो मारेन्तो सोण्डगोयरं पत्ते।

सवडंमुहं चलन्तो कालो व्व अकारणे कुद्धो ॥

तुट्टपयबन्धरज्जु संचुणिणयभवणहट्टदेवउलो ।

खाणमेत्तेण पयण्डो सो पत्तो कुमरपुरओ त्ति ॥

इकाई-V

10. मयणमंजरी का पात्रालेखन कीजिए।

11. आरामसोहाकहा में उपलब्ध सांस्कृतिक सामग्री के विषय में संक्षेप में लिखिए।

खण्ड-स

इकाई-I

12. आरामसोहा का विस्तृत चरित्र चित्रण कीजिए।

इकाई-II

13. मुणिचंदकहाण्यं में लोककथा के तत्त्व लिखिए।

इकाई-III

14. कुम्मापुत्र के पात्र की विशेषताएँ दर्शाइये।

इकाई-IV

15. अगडदत्तचरियं की कथा का अलेखन कीजिए।

इकाई-V

16. आरामसोहाकहा एवं अगडदत्तचरियं के कर्ता का परिचय दीजिए।